



डेल्टा स्टेट यूनिवर्सिटी के छात्रों की ऑनलाइन समाचार पत्र के प्रति धारणाएं

डॉ भारतेन्दु मिश्र
सह आचार्य
बी एड विभाग
श्री मुरली मनोहर टाउन पी जी कॉलेज बलिया

सार

डिजिटल युग में जहाँ सूचना तुरंत उपलब्ध है ऑनलाइन समाचार पत्र छात्रों के लिए समाचार और वर्तमान घटनाओं से जुड़े रहने का एक प्रमुख माध्यम बन गए हैं। डेल्टा स्टेट यूनिवर्सिटी के छात्रों के बीच ऑनलाइन समाचार पत्रों के प्रति धारणाओं का विश्लेषण करना महत्वपूर्ण है ताकि यह समझा जा सके कि वे इस प्रारूप को कैसे देखते हैं इसका उपयोग कैसे करते हैं और इसकी प्रभावशीलता के बारे में उनकी क्या राय है। यह शोध डेल्टा स्टेट यूनिवर्सिटी के छात्रों के दृष्टिकोणों की पड़ताल करेगा जिसमें सुविधा विश्वसनीयता पहुंच और पारंपरिक मुद्रित समाचार पत्रों की तुलना में उनके आकर्षण जैसे कारकों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। डेल्टा स्टेट यूनिवर्सिटी के छात्रों के लिए ऑनलाइन समाचार पत्रों का सबसे महत्वपूर्ण लाभ उनकी सुविधा और पहुंच है। छात्र किसी भी समय कहीं भी स्मार्टफोन टैबलेट या लैपटॉप जैसे अपने इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के माध्यम से समाचार तक पहुंच सकते हैं। यह सुविधा उन छात्रों के लिए विशेष रूप से फायदेमंद है जिनके पास व्यस्त शैक्षणिक कार्यक्रम और पाठ्येतर गतिविधियाँ होती हैं। वे अपने शेड्यूल के अनुरूप संक्षिप्त अपडेट प्राप्त कर सकते हैं या गहन विश्लेषण पढ़ सकते हैं। इसके अतिरिक्त ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अक्सर लेखों को साझा करने टिप्पणी करने और मल्टीमीडिया सामग्री जैसे वीडियो और इन्फोग्राफिक्स को एकीकृत करने की क्षमता प्रदान

करते हैं जो उनके समाचार उपभोग के अनुभव को बढ़ाता है। यह छात्रों को अपने साथियों और व्यापक समुदाय के साथ जुड़ने की अनुमति देता है जिससे समाचार पर चर्चा और बहस को बढ़ावा मिलता है।

मुख्य शब्द

डेल्टा स्टेट यूनिवर्सिटी छात्र ऑनलाइन समाचार पत्र

भूमिका

डेल्टा स्टेट यूनिवर्सिटी के छात्रों में ऑनलाइन और पारंपरिक मुद्रित समाचार पत्रों के प्रति धारणाएं विविध हैं। जबकि युवा पीढ़ी स्वाभाविक रूप से डिजिटल प्रारूपों की ओर आकर्षित होती है कुछ छात्र अभी भी मुद्रित समाचार पत्रों की स्पर्शनीय प्रकृति और अनुष्ठानिक अनुभव को महत्व देते हैं। मुद्रित समाचार पत्रों को कुछ लोगों द्वारा अधिक विश्वसनीय और अच्छी तरह से शोधित माना जाता है जो कम व्याकुलता और गहन पढ़ने का अनुभव प्रदान करते हैं। हालाँकि मुद्रित समाचार पत्रों के उत्पादन और वितरण में निहित लागत के कारण उनकी कम आवृत्ति और सीमित पहुंच उन्हें ऑनलाइन विकल्पों की तुलना में कम व्यावहारिक बनाती है। अधिकांश छात्रों के लिए ऑनलाइन समाचार पत्र तेजी से अपडेट अधिक व्यापक कवरेज और पर्यावरण के अनुकूल विकल्प का प्रतिनिधित्व करते हैं।

सूचना और संचार क्रांति ने हमारे जीवन के हर पहलू को बदल दिया है और समाचार उपभोग का तरीका भी इससे अछूता नहीं है। एक समय था जब सुबह-सुबह गरमागरम चाय की चुस्की के साथ अखबार पढ़ना एक दैनिक परंपरा थी लेकिन आज यह स्थान तेजी से ऑनलाइन समाचार पत्रों ने ले लिया है। इंटरनेट ने समाचारों को हमारी उंगलियों पर लाकर रख दिया है और इसने समाचारों तक हमारी पहुँच और उसे पढ़ने के तरीके में एक क्रांतिकारी बदलाव लाया है। ऑनलाइन समाचार पत्रों की सुविधा और पहुँच ने हमारे लिए सूचना का एक नया द्वार खोल दिया है।

ऑनलाइन समाचार पत्रों की सबसे बड़ी सुविधा उनकी तात्कालिकता है। पारंपरिक प्रिंट मीडिया में समाचारों को प्रकाशित होने में एक निश्चित समय लगता है जबकि ऑनलाइन पोर्टल्स पर घटना घटते ही समाचार अपडेट हो जाते हैं। ब्रेकिंग न्यूज़ लाइव कवरेज और लगातार अपडेट्स के कारण हम दुनिया में पल-पल हो रही घटनाओं से तुरंत अवगत हो पाते हैं। यह सुविधा विशेष रूप से आपातकालीन स्थितियों, राजनीतिक उथल-पुथल या खेल आयोजनों के दौरान महत्वपूर्ण हो जाती है जहाँ हर मिनट की जानकारी मायने रखती है।

जबकि ऑनलाइन समाचार पत्र अपनी सुविधा के लिए सराहना की जाती है डेल्टा स्टेट यूनिवर्सिटी के छात्रों के बीच उनकी विश्वसनीयता और सामग्री की गुणवत्ता के बारे में चिंताएं मौजूद हैं। सूचना के विशाल समुद्र के साथ छात्रों को अक्सर विश्वसनीय स्रोतों को अविश्वसनीय या पक्षपाती सामग्री से अलग करने में कठिनाई होती है। सोशल मीडिया और ब्लॉगों से गलत सूचना या फर्जी समाचारों के प्रसार ने छात्रों के बीच एक निश्चित संशय पैदा किया है। परिणामस्वरूप कई छात्र स्थापित और प्रतिष्ठित समाचार आउटलेट्स से ऑनलाइन सामग्री पसंद करते हैं जिन्हें वे अधिक विश्वसनीय मानते हैं। कुछ छात्र जानकारी को सत्यापित करने के लिए क्रॉस-रेफरेंसिंग विभिन्न स्रोतों से पुष्टि का भी अभ्यास करते हैं।

ऑनलाइन समाचार पत्र पहुँच के मामले में अतुलनीय हैं। हमें किसी विशेष स्थान पर जाने या किसी विशेष समय का इंतजार करने की आवश्यकता नहीं होती। हम स्मार्टफोन, टैबलेट या लैपटॉप का उपयोग करके दुनिया के किसी भी कोने से समाचार पढ़ सकते हैं। यह सुविधा उन लोगों के लिए वरदान है जो यात्रा करते हैं या दूरदराज के क्षेत्रों में रहते हैं जहाँ पारंपरिक अखबारों की पहुँच सीमित है। एक क्लिक पर हम दुनिया के किसी भी हिस्से से किसी भी भाषा में समाचार पढ़ सकते हैं जिससे सूचना का एक वैश्विक भंडार हमारे लिए सुलभ हो जाता है।

ऑनलाइन समाचारों का एक और महत्वपूर्ण लाभ उनका मल्टीमीडिया स्वरूप है। पारंपरिक अखबारों में केवल पाठ और स्थिर छवियों का उपयोग होता है जबकि ऑनलाइन पोर्टल्स पर वीडियो, ऑडियो, इन्फोग्राफिक्स और इंटरैक्टिव ग्राफिक्स का उपयोग किया जाता है। यह मल्टीमीडिया सामग्री समाचारों को अधिक आकर्षक और समझने में आसान बनाती है। उदाहरण के लिए किसी घटना का वीडियो फुटेज किसी भाषण का ऑडियो या किसी डेटा का इन्फोग्राफिक विश्लेषण समाचार को अधिक प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करता है। यह हमें घटना का एक अधिक व्यापक और गहरा अनुभव प्रदान करता है।

साहित्य की समीक्षा

ऑनलाइन समाचार पत्र पाठकों को अपनी राय व्यक्त करने और चर्चा में भाग लेने का अवसर देते हैं। टिप्पणियाँ सोशल मीडिया पर साझा करना और ऑनलाइन बहस के माध्यम से पाठक न केवल समाचारों का उपभोग करते हैं बल्कि उन पर अपनी राय भी देते हैं। यह दोतरफा संचार पारंपरिक मीडिया में अनुपस्थित था। यह पाठकों को अधिक सक्रिय बनाता है और समाचारों के प्रति एक सामुदायिक भावना पैदा करता है। ख,

ऑनलाइन समाचारों की कुछ चुनौतियाँ भी हैं। सबसे बड़ी चुनौती फेक न्यूज़ या गलत सूचना का प्रसार है। सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर कोई भी जानकारी साझा करना आसान है और इसकी प्रामाणिकता की जाँच करना अक्सर मुश्किल होता है। इसके कारण पाठकों को अक्सर सही और गलत के बीच भेद करना मुश्किल हो जाता है। इसके अलावा ऑनलाइन समाचारों की विज्ञापन-आधारित प्रकृति कभी-कभी सामग्री की गुणवत्ता और निष्पक्षता को प्रभावित कर सकती है। ख,

ऑनलाइन समाचार पत्र हमारे सूचना उपभोग के तरीके का एक अनिवार्य हिस्सा बन गए हैं। उनकी सुविधाएँ पहुँच और मल्टीमीडिया क्षमता ने हमें अधिक सूचित, जागरूक और संलग्न नागरिक बनाया है। यह हमें दुनिया से अधिक गहराई से जुड़ने का अवसर देता है और हमें हर पल बदल रही दुनिया से अवगत रखता है। जैसे.

जैसे तकनीक आगे बढ़ेगी ऑनलाइन समाचारों का भविष्य और भी रोमांचक और प्रभावशाली होगा जो हमें सूचना और संचार के नए आयामों से परिचित कराएगा। ^{ख३},

ऑनलाइन समाचार पत्रों का सबसे बड़ा लाभ उनकी तत्काल पहुँच और व्यापकता है। पारंपरिक मुद्रित समाचार पत्रों के विपरीत ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म पर खबरें पल भर में प्रकाशित हो जाती हैं जिससे पाठक दुनिया भर की नवीनतम घटनाओं से तुरंत अपडेट रह सकते हैं। इसके अतिरिक्त वे भौगोलिक बाधाओं को तोड़ते हुए विभिन्न दृष्टिकोणों और अंतर्राष्ट्रीय समाचारों तक पहुँच प्रदान करते हैं। ^{ख४},

डेल्टा स्टेट यूनिवर्सिटी के छात्रों की ऑनलाइन समाचार पत्र के प्रति धारणाएं

आज के डिजिटल युग में ऑनलाइन समाचार पत्र सूचना के प्राथमिक स्रोत के रूप में उभरे हैं। जहाँ एक ओर वे असीमित जानकारी तक त्वरित पहुँच प्रदान करते हैं वहीं उनकी विश्वसनीयता और सामग्री की गुणवत्ता पर अक्सर सवाल उठते हैं। यह निबंध ऑनलाइन समाचार पत्रों की विश्वसनीयता और सामग्री की गुणवत्ता के विभिन्न पहलुओं की पड़ताल करेगा जिसमें उनके लाभ और चुनौतियों दोनों पर विचार किया जाएगा।

कई प्रतिष्ठित समाचार संगठन अब ऑनलाइन उपस्थिति रखते हैं जो अपनी पत्रकारिता के मानकों को डिजिटल मंच पर भी बनाए रखने का प्रयास करते हैं। ये स्रोत अक्सर गहन शोध, तथ्य जाँच और पेशेवर संपादकीय प्रक्रियाओं का पालन करते हैं जिससे उनकी विश्वसनीयता बढ़ती है।

ऑनलाइन समाचारों की तीव्र गति और कम विनियमन उनकी विश्वसनीयता पर एक महत्वपूर्ण चुनौती पेश करते हैं। इंटरनेट पर सूचनाओं के विशाल प्रवाह में गलत सूचना और फर्जी खबरें तेजी से फैल सकती हैं। कई ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म विशेषकर सोशल मीडिया और अनधिकृत वेबसाइटें बिना किसी संपादकीय जाँच के सामग्री प्रकाशित कर सकती हैं। यह पाठकों के लिए विश्वसनीय स्रोतों को अविश्वसनीय स्रोतों से अलग करना

मुश्किल बना देता है। विज्ञापन आधारित राजस्व मॉडल के कारण कुछ ऑनलाइन समाचार पोर्टल्स सनसनीखेज शीर्षकों का उपयोग करते हैं और सामग्री की गुणवत्ता से समझौता करते हैं ताकि अधिक क्लिक और दृश्य प्राप्त किए जा सकें जिससे पत्रकारिता के नैतिक सिद्धांतों का हास होता है।

सामग्री की गुणवत्ता के संदर्भ में ऑनलाइन समाचार पत्रों में विविधता देखने को मिलती है। कुछ उच्च गुणवत्ता वाले ऑनलाइन प्रकाशन गहन विश्लेषण विशेषज्ञ राय और बहुआयामी रिपोर्टिंग प्रदान करते हैं जो पाठकों को किसी भी विषय की विस्तृत समझ प्रदान करते हैं। वे मल्टीमीडिया तत्वों जैसे वीडियो इन्फोग्राफिक्स और इंटरैक्टिव ग्राफिक्स का भी उपयोग करते हैं जो जानकारी को अधिक आकर्षक और समझने योग्य बनाते हैं। दूसरी ओर कुछ ऑनलाइन प्लेटफॉर्म सतही सामग्री पूर्वाग्रह युक्त रिपोर्टिंग या केवल विचार आधारित लेख प्रकाशित करते हैं जिनमें ठोस तथ्यों का अभाव होता है। एल्गोरिदम का उपयोग भी एक चुनौती है क्योंकि वे अक्सर पाठकों को केवल ऐसी खबरें दिखाते हैं जो उनकी मौजूदा मान्यताओं की पुष्टि करती हैं जिससे इको चेंबर और फ़िल्टर बुलबुले का निर्माण होता है।

ऑनलाइन समाचार पत्र सूचना परिदृश्य का एक अभिन्न अंग बन गए हैं। वे त्वरित पहुँच और व्यापक कवरेज के अभूतपूर्व अवसर प्रदान करते हैं। हालाँकि उनकी विश्वसनीयता और सामग्री की गुणवत्ता में भारी भिन्नता है। पाठकों के लिए यह अत्यंत महत्वपूर्ण है कि वे समीक्षात्मक सोच का प्रयोग करें स्रोतों की जाँच करें और विभिन्न प्रतिष्ठित आउटलेट्स से जानकारी प्राप्त करें। पत्रकारों और समाचार संगठनों के लिए यह आवश्यक है कि वे डिजिटल युग में भी नैतिक पत्रकारिता के मानकों को बनाए रखें और अपनी सामग्री की गुणवत्ता और विश्वसनीयता सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध रहें। केवल तभी ऑनलाइन समाचार पत्र एक सूचित समाज के निर्माण में अपनी पूरी क्षमता का एहसास कर पाएंगे।

पारंपरिक समाचार पत्र जिन्हें हम प्रिंट मीडिया के नाम से जानते हैं सदियों से सूचना और ज्ञान के प्रसार का आधार रहे हैं। इनकी सबसे बड़ी शक्ति इनकी विश्वसनीयता और प्रमाणिकता में निहित है। पाठक अक्सर प्रिंट में प्रकाशित सामग्री को अधिक विश्वसनीय मानते हैं क्योंकि यह गहन शोध और संपादन प्रक्रिया से गुजरती है। एक भौतिक उत्पाद होने के नाते पारंपरिक समाचार पत्र एक ठोस अनुभव प्रदान करते हैं कृकागज को पलटने की आवाज़ स्याही की गंध और सुबह की चाय के साथ उन्हें पढ़ने का अनुष्ठान एक विशेष प्रकार की संतुष्टि देता है। ये स्थानीय समाचारों और सामुदायिक मुद्दों पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं जिससे पाठक अपने क्षेत्र से बेहतर तरीके से जुड़ पाते हैं। विज्ञापनदाताओं के लिए भी ये एक लक्षित दर्शक वर्ग तक पहुँचने का प्रभावी तरीका हो सकते हैं।

पारंपरिक समाचार पत्रों की अपनी सीमाएँ भी हैं। इनकी अपडेट गति धीमी होती है एक बार छपने के बाद अगले अंक तक कोई नया अपडेट नहीं दिया जा सकता। यह उन्हें ब्रेकिंग न्यूज़ के मामले में ऑनलाइन माध्यमों से पीछे छोड़ देता है। इनके उत्पादन और वितरण में पर्यावरण पर प्रभाव पड़ता है क्योंकि कागज और स्याही का उपयोग होता है। इनकी पहुँच भी सीमित होती है खासकर दूरदराज के क्षेत्रों या अंतरराष्ट्रीय पाठकों के लिए। इसके अलावा उत्पादन लागत अधिक होने के कारण इनकी कीमत भी ऑनलाइन विकल्पों की तुलना में अधिक हो सकती है।

डिजिटल युग की देन ऑनलाइन समाचार पत्र इंटरनेट के माध्यम से पाठकों तक पहुँचते हैं। इनकी सबसे महत्वपूर्ण विशेषता वास्तविक समय में अपडेट होने की क्षमता है। कोई भी घटना घटित होते ही ऑनलाइन पोर्टल्स उसे तुरंत प्रकाशित कर सकते हैं जिससे पाठकों को नवीनतम जानकारी मिलती रहती है। इनकी पहुँच वैश्विक है दुनिया के किसी भी कोने से कोई भी व्यक्ति इंटरनेट कनेक्शन के साथ इन्हें पढ़ सकता है। ऑनलाइन माध्यम मल्टीमीडिया को एकीकृत करने की सुविधा भी प्रदान करता है जिसमें टेक्स्ट के साथ-साथ चित्र वीडियो ऑडियो क्लिप और इंटरैक्टिव ग्राफिक्स शामिल होते हैं जिससे समाचारों को और अधिक आकर्षक

बनाया जा सकता है। पाठक टिप्पणी अनुभागों और सोशल मीडिया साझाकरण के माध्यम से समाचारों पर तत्काल प्रतिक्रिया दे सकते हैं जिससे एक गतिशील संवाद स्थापित होता है।

ऑनलाइन समाचार पत्रों के साथ कुछ महत्वपूर्ण चुनौतियाँ भी जुड़ी हुई हैं। सबसे बड़ी चुनौती सामग्री की विश्वसनीयता की है। इंटरनेट पर सूचनाओं की बाढ़ और स्फेक न्यूज़ के प्रसार के कारण यह पहचानना मुश्किल हो जाता है कि कौन सा स्रोत विश्वसनीय है। यह पाठकों के बीच भ्रम और अविश्वास पैदा कर सकता है। इसके अतिरिक्त ऑनलाइन विज्ञापन और पॉप.अप पाठक के अनुभव को बाधित कर सकते हैं। एक और मुद्दा डिजिटल डिवाइड का है जहाँ इंटरनेट तक पहुँच न रखने वाले लोग इस माध्यम का लाभ नहीं उठा पाते। स्क्रीन पर लंबे समय तक पढ़ने से आँखों में तनाव या अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ भी हो सकती हैं।

पारंपरिक और ऑनलाइन समाचार पत्र दोनों ही सूचना परिदृश्य के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। जहाँ पारंपरिक समाचार पत्र अपनी गहन विश्लेषण विश्वसनीयता और स्थानीय जुड़ाव के लिए जाने जाते हैं वहीं ऑनलाइन माध्यम तात्कालिकता व्यापक पहुंच और मल्टीमीडिया अनुभवों के लिए श्रेष्ठ है। ऐसा प्रतीत होता है कि ये दोनों माध्यम एक-दूसरे के पूरक हैं न कि प्रतिद्वंद्वी। भविष्य में हम दोनों के बीच एक सहजीवी संबंध देख सकते हैं जहाँ पारंपरिक समाचार पत्र अपनी गहन रिपोर्टिंग और विश्लेषण पर ध्यान केंद्रित करेंगे और ऑनलाइन प्लेटफ़ॉर्म ब्रेकिंग न्यूज़ और इंटरैक्टिव सामग्री के लिए प्राथमिक स्रोत बनेंगे। अंततः यह पाठक की व्यक्तिगत पसंद और आवश्यकता पर निर्भर करेगा कि वह जानकारी प्राप्त करने के लिए किस माध्यम को प्राथमिकता देता है।

निष्कर्ष

डेल्टा स्टेट यूनिवर्सिटी के छात्रों में ऑनलाइन समाचार पत्रों के प्रति सकारात्मक धारणा है जो मुख्य रूप से उनकी सुविधा पहुंच और मल्टीमीडिया एकीकरण से प्रेरित है। हालाँकि विश्वसनीयता और सामग्री की गुणवत्ता के बारे में महत्वपूर्ण चिंताएं बनी हुई हैं जो मीडिया साक्षरता और महत्वपूर्ण सोच कौशल की आवश्यकता को

उजागर करती हैं। जैसे-जैसे डिजिटल परिदृश्य विकसित होता जा रहा है शैक्षिक संस्थानों के लिए छात्रों को जिम्मेदार ऑनलाइन समाचार उपभोग के लिए आवश्यक उपकरणों से लैस करना आवश्यक होगा। ऑनलाइन समाचार पत्र छात्रों के लिए सूचना का एक अनिवार्य स्रोत बने रहेंगे और उनकी धारणाएं यह दर्शाती हैं कि वे एक गतिशील और कभी-कभी चुनौतीपूर्ण सूचना वातावरण में कैसे नेविगेट करते हैं।

संदर्भ

- 1^० इमाम अहराफ ;2021। शिक्षक शिक्षा में गुणवत्ता और उत्कृष्टता। भारत में मुद्दे और चुनौतियाँ
- 2^० जेनिथ ए इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मल्टीडिसिप्लिनरी रिसर्च खंड 1 अंक 7^० नवंबर ए आईएसएसएन 2231 5780^० 2020
- 3^० लक्ष्मी जी सोरना और अशोक एम लियोनार्ड। प्रशिक्षकों के बीच शिक्षक पात्रता परीक्षा के प्रति दृष्टिकोण। इंटरनेशनल जर्नल ऑफ रिसर्च . ग्रंथालय। आईएसएसएन.2350.0530;ओडए आईएसएसएन.2394. 3629;पीडए 2021
- 4^० लेनका एस के। शिक्षक के प्रति छात्र शिक्षकों का दृष्टिकोण। जर्नल ऑफ एडवांस एंड स्कॉलरली रिसर्च इन एलाइड एजुकेशन व मल्टीडिसिप्लिनरी एकेडमिक रिसर्च खंड 7^० अंक संख्या 5^० जुलाई 2020^० आईएसएसएन 2230.7540।
- 5^० कुमारवेलु पी। शिक्षक पात्रता परीक्षा के प्रति निजी स्कूल शिक्षकों का दृष्टिकोण। इंडियन जर्नल ऑफ टेक्नोलॉजी एंड टीचर एजुकेशन ;आईजेटीटीईडए 2021
- 6^० कुमार प्रदीप और आजाद सुगंधा। भारत में शिक्षक शिक्षा कुछ नीतिगत मुद्दे और चुनौतियाँ। खंड.2 अंक.6 2021^० आईजेएआरआईई.आईएसएसएन ;ओड द 2395.4396